



No. J/A

0691250

# इन्टरमीडिएट परीक्षा, 2015

आई० ए० (I.A.)

28 पृष्ठों की उत्तरपुस्तिका

वीक्षक का हस्ताक्षर

केन्द्राधीक्षक का हस्ताक्षर

Centre Superintendent

Jh. Telaiya Comm. Inter College

Karma, Kodarma

[ हाशिया (Margin) छोड़कर पत्रों के दोनों पृष्ठों पर लिखें ]

| रोल कोड<br>(Roll Code)          | क्रमांक<br>(Roll No.) | पंजीयन संख्या<br>(Registration No.) |             | विषय<br>(Subject) | पत्र<br>(Paper) | लिपि<br>(Script) | तिथि<br>(Date) |    |             |    |       |
|---------------------------------|-----------------------|-------------------------------------|-------------|-------------------|-----------------|------------------|----------------|----|-------------|----|-------|
|                                 |                       | No.                                 | वर्ष (Year) |                   |                 |                  |                |    |             |    |       |
| 26003                           | 30126                 | 26003-RA-0136                       | 2013        | Sociology         |                 | देवनागरी         | 16/02/15       |    |             |    |       |
| <b>लब्धांक (MARKS OBTAINED)</b> |                       |                                     |             |                   |                 |                  |                |    |             |    |       |
| Question Number                 | 1                     | 2                                   | 3           | 4                 | 5               | 6                | 7              | 8  | 9           | 10 | TOTAL |
| Marks Obtained                  | 1                     | 1                                   | 1           | 1                 | 1               | 1                | 1              | 1  | 1           | 1  | 09    |
| Question Number                 | 11                    | 12                                  | 13          | 14                | 15              | 16               | 17             | 18 | 19          | 20 | TOTAL |
| Marks Obtained                  | 1                     | 1                                   | 1           | 1                 | 1               | 1                | 1              | 1  | 1           | 1  | 08    |
| Question Number                 | 21                    | 22                                  | 23          | 24                | 25              | 26               | 27             | 28 | 29          | 30 | TOTAL |
| Marks Obtained                  | 1                     | 1                                   | 1           | 1                 | 1               | 2                | 3              | 3  | 3           | 3  | 19    |
| Question Number                 | 31                    | 32                                  | 33          | 34                | 35              | 36               | 37             | 38 | 39          | 40 | TOTAL |
| Marks Obtained                  | 2                     | 2                                   | 3           | 3                 | 2               | 4                | 3              | 3  | 3           | 4  | 29    |
| Grand Total                     | (In Words)            |                                     | Sixty Five  |                   |                 |                  |                |    | (In Figure) |    | 65    |

**परीक्षार्थी हेतु निर्देश**

- परीक्षार्थी ध्यान दें कि केवल एक ही उत्तर-पुस्तिका में पूरे प्रश्नों का उत्तर सीमित करना है। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
- उत्तर लिखना शुरू करने के पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ पर अपना रोल कोड, रोल नं., पंजीयन संख्या एवं वर्ष, विषय, पत्र, लिपि तथा तिथि लिखना अनिवार्य है। परन्तु परीक्षार्थी को अपना अथवा अपने कॉलेज का नाम कदापि नहीं लिखना है। परीक्षार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि जिस उत्तर-पुस्तिका पर रोल कोड, क्रमांक और सूचीकरण संख्या स्पष्ट रूप से अंकित न होगी, उसे जाँची नहीं जायेगी।
- यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में दूसरे को सहायता करता या किसी प्रकार से अवैध सहायता लेने की चेष्टा करता हुआ अथवा परीक्षा में अनुचित लाभ उठाने के लिए किसी दूसरे अवैध उपाय का अवलम्बन करता हुआ पाया जायेगा तो उसे परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा। परीक्षा में परीक्षार्थियों को परस्पर किसी प्रकार से विचार विनिमय का अधिकार न होगा। परिषद द्वारा दिये गए प्रवेश पत्र, उत्तर-पुस्तिका, प्रश्न-पत्र तथा नियमानुकूल निविष्ट उपकरणों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को अपने साथ परीक्षा कक्ष में मोबाइल, कैलकुलेटर, छाता, पुस्तक, किसी प्रकार का पत्र, पॉकेट बुक, नोट आदि या किसी भी प्रकार का कागज रखना वर्जित है, भले ही उसका सम्बन्ध उस समय की परीक्षा के विषय से हो या न हो। इसका उल्लंघन करने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा।
- लिखने का सम्पूर्ण काम उत्तर-पुस्तिका पर ही किया जाय और उसका कोई भी पृष्ठ फाड़ा न जाय। परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर-पुस्तिका वापस लौटा देना आवश्यक है। इस उत्तर-पुस्तिका के बदले दूसरी उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जा सकती। जो लिखावट काटी हुई रहेगी उसकी जाँच नहीं होगी। उत्तर-पुस्तिका में यदि कोई फटा पृष्ठ मिले तो उसे निकाल नहीं देना चाहिए बल्कि वीक्षक को दिखाकर उसे मोड़ देना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र पर कोई उत्तर या कोई भी दूसरी बात लिखना वर्जित है।
- प्रश्न-पत्र वितरण के बाद एक घंटे तक कोई भी परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका वापस नहीं कर सकते हैं।

नोट - प्रत्येक पृष्ठों में अंकित दोनों हाशिया (Margin) के बीच में प्रश्नों का उत्तर लिखें।

परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर  
(Full Signature of Examiner with Seal)

प्रधान परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर  
(Full Signature of Head Examiner with Seal)



- 1) (ग) सहजानन्द सरस्वती ☒
- 2) (ख) जनजातीय आन्दोलन से ☒
- 3) (घ) हिंसा का अधिकार ☒
- 4) (घ) अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु आरक्षण ☒
- 5) (ग) संघाल का ☒
- 6) (ख) स्वामी विवेकानन्द ☒
- 7) (ग) ग्राम सभा ☒
- 8) (ग) जनजाति से ☒
- 9) (क) साम्राज्यवाद ☒
- 10) (ग) वासुदेव जोशी ☒
- 11) (घ) 1947 से 1958 ☒
- 12) (ख) रिचर्ड डीवी ☒
- 13) (ख) दो तीन ☒
- 14) (घ) इनमें से सभी ☒
- 15) (ख) पर्यावरण सम्बन्धी आन्दोलन ☒



16) (क) सर्वट ई० पार्क

17) (ग) अभित प्रस्थिति मे

18) (ग) पंजाब

19) (क) कार्ल मार्क्स

20) (घ) मनुष्य में

21) जनांकिकी  $\Rightarrow$  जनांकिकी के माध्यम से पता चलता है कि लोगों में कितना परिवर्तन हो पाया है। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक आधार पर यह पता लगाया जाता है।

22) दबाव समूह  $\Rightarrow$  दबाव समूह राजनीतिक दलों का एक ऐसा समूह है जो शासन व्यवस्था में परिवर्तन लाने या परिवर्तन होने से रोकने का प्रयास करती है।

23) जनसंचार  $\Rightarrow$  जनसंचार से तात्पर्य संचार सेवा को लोगों तक पहुँचाने से है ताकि लोग इसका प्रयोग करके लाभान्वित हो सकें।



25) नगरीकरण  $\rightarrow$  नगरीकरण से तात्पर्य लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाना होता है।  
उदाहरण के लिए ~~सड़~~ बिटी रोड का निर्माण, भवनों का निर्माण, यातायात तथा संचार के साधनों में वृद्धि इत्यादि।

24) क्षेत्रवाद  $\rightarrow$  क्षेत्रवाद से तात्पर्य किसी क्षेत्र में रहने वाले ऐसे लोगों से है जो केवल अपने क्षेत्र या समाज का विकास चाहते हैं। उन्हें देश या अन्य क्षेत्रों की प्रवाह नहीं है तथा वे अन्य क्षेत्रों के विकास की सराहना करते हैं।

26) सामाजिक परिवर्तन में पंचायती राज की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है जिसका वर्णन हम निम्न रूपों में कर सकते हैं —

- (i) गाँव में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना
- (ii) गाँव में अधः प्राथमिक तथा माध्यमिक शैक्षणिक संरचना का निर्माण करवाना
- (iii) सिंचाई के लिए जलाशयों, नलकूपों, चैक डैमों, कुओं आदि का निर्माण करवाना
- (iv) वृद्धों तथा विधवाओं को पेंशन उपलब्ध



करना

1) स्वीकृति हेतु नालियों तथा पक्के सड़कों का निर्माण

2) औद्योगिकरण का तात्पर्य उद्योगों की स्थापना से है। वर्तमान समय में उद्योगों का विकास नगरों में ही ज्यादा विकसित हुई है।

औद्योगिकरण का सामाजिक जीवन पर प्रभाव का वर्णन हम निम्न रूपों से कर सकते हैं —

1) औद्योगिकरण से ग्रामिण युवक रोजगार की तलाश में शहरों की ओर प्रस्थान हो रहे हैं।

2) औद्योगिकरण के कारण नगरों की जनसंख्या बर्धन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

3) भन्स नगरों में जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है क्योंकि वे गंदी बस्तियों का निर्माण कर रहे हैं।

4) उद्योगों में केवल शिक्षित और कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

जिससे ग्रामिण अशिक्षित व्यक्तियों को रोजगारी की समस्या का समाधान करना पड़ता है।

5) औद्योगिकरण पर्यावरण पर बुरा प्रभाव डाल रहा है जिसका विशेष प्रभाव सामाजिक जीवन पर पड़ता है।



287) दलित को पहले आदिवासी या जंगल-वासी के नाम से पुकारा जाता था। महात्मा गांधी ने उन्हें 1930 ई० में 'हरिजन' का नाम दिया। जिसका अर्थ होता है - परमात्मा के बच्चे। बाद में डॉ० भीमराव अम्बेडकर ने उन्हें 'दलित' का नाम दिया। वर्तमान समय में इसे अनुसूचित जाति के नाम से जाना जाता है।

दलित आंदोलनों के परिणामों की विवेचना हम निम्न रूपों में कर सकते हैं —

- ① दलितों के आंदोलन करने से सरकार ने उन्हें उनके संरक्षण तथा आरक्षण के लिए विभिन्न प्रयास किये।
- ② संविधान के अनुच्छेद 13, 14, 15 में उन्हें समानता का अधिकार, धर्म, जाति, भाषा, रंग के आधार पर भेदभाव न होने का अधिकार प्राप्त है।
- ③ संविधान के अनुच्छेद 19 के अन्तर्गत उन्हें सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण का अधिकार है।
- ④ दलितों के आंदोलन के कारण इनको एक समान्य जाति के समान अधिकार प्राप्त हैं। जैसे — उन्हें अपनी भाषा के आधार पर शैक्षणिक संस्थान खोलने की पूर्ण स्वतंत्रता है।



29) ग्रामिण समुदाय नगरीय समुदाय के बीच विभिन्न वर्गों में भिन्नता पाई गई है जिसका वर्णन हम निम्न प्रकार से कर सकते हैं।

(1) ग्रामिण समुदाय में धर्म, जाति, रंग के आधार पर भेदभाव देखने को मिलते हैं। जबकि नगरीय समुदाय में भेदभाव धर्म, जाति आदि का कोई मतलब नहीं है।

(2) ग्रामिण समुदाय में विवाह की को स्वच्छता तथा पवित्रता का रूप मानते हैं। जबकि तथा अपने ही धर्म के जाति के आधार पर विवाह किया जाता है। जबकि नगरीय समुदाय में विवाह में जाति धर्म को नहीं देखा जाता है। वे प्रेम विवाह करते हैं।

(3) भारत की कुल जनसंख्या का 72% गाँवों में निवास करती है। फिर भी यहाँ बेरोजगारी की समस्या है। जबकि नगरी जनसंख्या का प्रतिशत 28% है। लेकिन यहाँ रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त हैं।

(4) ग्रामिण समुदाय की वैशिक्षा, खान-पान नगरीय समुदाय की वैशिक्षा, खान-पान आदि से काफी भिन्न होती है।



30) भारत की जनसंख्या 2011 की जनसंख्या-  
जनगणना के आधार पर 121 करोड़  
है। जिसमें कुल जनसंख्या का 68%  
नगरों तथा 32% ग्रामीण में निवास  
करती है। भारत एक कृषि प्रधान देश  
है। यहाँ की जनसंख्या कृषि पर ही  
आधारित है।

भारत की जनसंख्या में वृद्धि  
को जनन-शक्ति को नहीं माना जा  
सकता है। बल्कि भारत में जनसंख्या  
वृद्धि का मुख्य कारण सामाजिक  
तथा सांस्कृतिक परिवर्तन को माना  
जा सकता है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि के  
परिणामों को जिस हम निम्न रूप में  
उजागर कर सकते हैं—

(1) भारत की जनसंख्या विश्व की कुल  
जनसंख्या का 17% है। जनसंख्या में  
वृद्धि के परिणामस्वरूप स्वरूप गरिबी  
तथा बेरोजगारी की समस्या बढ़ती  
जा रही है।

(2) जनसंख्या वृद्धि के परिणाम स्वरूप  
लोगों के अनुचित ढंग से रहने के काल  
पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है।

(3) देश में सामाजिक दंगे, भूट-काट,  
चोरी-डकैती का बढ़ रहा है।



31) संयुक्त परिवार का तात्पर्य ऐसे परिवार से है जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या अधिक होती है। संयुक्त परिवार को विकास का द्योतक माना जाता है। इसमें बच्चों का पालन-पोषण मासानी से हो जाती है। संयुक्त परिवार कृषि के उत्पादन के विकास में सहायक है।

32) जाति एक सामाजिक बुराई है। जाति के कारण समाज का विकास असंभव है। प्राचीन काल से ही यह देखते आ रहे हैं कि जाति व्यवस्था के कारण ऊँच निच का भेदभाव हो रहा है। वर्तमान समय में यह भेदभाव प्राणिन क्षेत्रों में स्पष्ट देखा जा सकता है।

जाति को एक बंद वर्ग माना गया है। सभी क्षेत्रों में पाया गया है कि वहाँ किसी एक जाति के व्यक्ति निवास नहीं होता बल्कि विभिन्न समुदाय तथा जाति के लोग रहते हैं।

33) बाजार का सम्बंध ऐसे स्थान से है जहाँ क्रेताओं तथा विक्रेताओं के बीच में आपसी सम्बंध होते हैं। विक्रेता अतिरिक्त उत्पादन को बाजार में बेचते हैं। बाजार एक सामाजिक संस्था है जिसका वर्ण क्योंकि यह



अगर बाजार यदि किसी विशेष क्षेत्र में  
लगता है तो केवल यह नहीं कि  
केवल उसी क्षेत्र के लोग वस्तुओं  
का क्रय करें बल्कि वहाँ अनेक  
क्षेत्रों के लोगों विभिन्न जाति, धर्म तथा  
समुदाय के लोगों का समागम होता  
है। बाजार में भेदभाव किसी रूप  
में भी देखने को नहीं मिलता  
है। बाजार का लक्ष्य यदि वस्तुओं  
से है तो ना कि धर्म, जाति, लिंग,  
समुदाय इत्यादि है।

35/ परियोजना कार्य का अर्थ होता है किसी  
चिज का व्यवहारिक अध्ययन करना है।  
परियोजना कार्य के लिए पूर्व नियोजित  
सूचनाओं की आवश्यकता होती है।  
इसके लिए व उद्देश्य की आवश्यकता  
होती है तथा उद्देश्य के अनुसार  
विभिन्न वस्तुओं तथा सामग्रियों की  
सूची तैयार करना होती है।  
परियोजना कार्य ज्ञान प्राप्त करने का  
एक अनोखा रूप है।



- 39) भूमंडलीकरण का अर्थ विश्व के सभी देशों की अर्थव्यवस्था के एकीकरण से है। भूमंडलीकरण के कारण विभिन्न देशों को लाभ प्राप्त हुआ है। इससे उद्योगों का विकास, तथा विदेशी निवेशों में वृद्धि तथा कृषि उत्पाद में वृद्धि संभव हो पाया है।
- भूमंडलीकरण के लाभ के साथ-साथ इससे कई समस्या उत्पन्न हो गई हैं। जिसका वर्णन हम निम्न रूपों में कर सकते हैं।
- ① भूमंडलीकरण से केवल पूंजीपति वर्ग के लोगों को ही फायदा हुआ है।
  - ② इससे केवल शहरी विकास हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों का विकास नहीं हुआ है।
  - ③ नगरों में बड़े-बड़े उद्योगों के कारण उसके उत्पाद को विश्व के प्रतिस्पर्धी में शामिल किया जा सकता है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में लघु तथा कустर उद्योगों के उत्पाद प्रतिस्पर्धी के सामर्थ्य नहीं हैं।
  - ④ भूमंडलीकरण से मुक्त बाजार की करने की स्वतंत्रता होती है।



37) अल्पसंख्यक का तत्पर्य ऐसे समुदाय हैं जिसकी संख्या कम है। भारत में मुस्लिम समुदायों की संख्या कम है। भारत में औपनिवेशिक काल से ही हिन्दुओं स्व मुस्लिमों के बीच भेदभाव तथा ग्रह प्रतिद्वंद्वि की समस्या बनी हुई है। भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की समस्या का कारण भारत के विभाजन को भी माना जा सकता है। क्योंकि भारत में विभाजन के पूर्व स्व पश्चात् कई बार हिन्दुओं तथा मुस्लिमों में लड़ाइयाँ हुई हैं। वर्तमान समय में भी हिन्दु और मुस्लिम को लेकर सामुदायिक दंगे हुर हैं। भारत में अधिकार, सुरक्षा तथा आरक्षण को लेकर मुस्लिमों में कोई समस्या नहीं है। सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्था मुस्लिमों के समस्याओं का कारण हो सकती है।

38) भारत में नगरीकरण का अर्थ है - नगरों में सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति में परिवर्तन आना।

भारत में नगरीकरण के राजाओं के शासन काल से ही देखने को मिलता आ रहा है। मुगल काल के सदृशा ही न भारत में नगरीकरण



पर विशेष बल दिया।  
नगरीकरण में सामाजिक तथा संस्कृति  
संस्कृति को ध्यान नहीं रखा जाता।  
बल्कि केवल नगरों के विकास पर  
गौरव नगरीकरण के अंगीत  
मनो का निर्माण सड़कों का  
निर्माण इत्यादि स्वतंत्रता की व्यवस्था  
इत्यादि पर विशेष बल दिया जाता है।  
भारत में नगरीकरण के  
कारण सामाजिक परिणामों की विवेचना  
हम निम्नलिखित रूप में कर  
सकते हैं —

- (1) सामाजिक समाज का विकास हुआ।
- (2) समाज में फैली अहिंसामय कुरीतियों  
को समाप्त कर दिया गया।
- (3) समाज में फैले बर्मे जाति के  
आधार पर भेदभाव को समाप्त  
कर दिया गया।
- (4) समाज में शांति व्यवस्था कायम  
हो गई।



36) जनजाति का तात्पर्य हुआहुन से नहीं है।  
बल्कि एक समुदाय में रहने वाले  
लोगों व से हैं जो अपनी सामाजिक  
तथा सांस्कृतिक के नियमों का  
पालन करते हैं।

जनजातियाँ अपनी समाज तथा संस्कृति  
की सुरक्षा के लिए विभिन्न आंदोलन  
किये। जनजातियों लोगों के आंदोलन  
का कारण संरक्षण तथा आरक्षण की  
मांग भी है।

जनजातियों आंदोलनों के  
कारणों की विवेचना हम निम्न रूप  
में कर सकते हैं —

① अपने समुदाय समाज तथा संस्कृति  
की सुरक्षा के लिए

② समानता, सुरक्षा, स्वतंत्रता तथा  
विभिन्न प्रकार की अधिकारों की  
मांग के लिए

③ अपने हितों की रक्षा के लिए।

④ अपने धर्म, भाषा तथा आस्था आदि  
की सुरक्षा के लिए

⑤ अपने विभिन्न समुदाय के द्वारा हुए  
अत्याचार के न्याय के लिए।



407 भारत में हमलोग, सीरियल का माला  
के दशक लगभग 5 करोड़ हैं।  
उत्तर भारत में इस सीरियल को  
देखने वालों की संख्या 65 से 90  
प्रतिशत तथा दक्षिण भारत में  
20 से 40 प्रतिशत तक पाई गई  
गई थी।

हमलोग, सीरियल के  
दर्शकों की जनसंख्या का रुचि कारण का  
कारण दशक की के लोगों एवं  
उनके प्रिय सम्बंधों के बीच  
अन्तः क्रिया का पता चलता है।  
विभिन्न दर्शकों से प्रश्न पर इसका  
कारण रुचि होने का कारण प्रश्न  
पर कल्पना कि वे दूरदर्शन के  
माध्यम से अपने सम्बंधियों से  
वातचित करते हैं।



34) क्षेत्रवाद एक जमीर समस्या है। क्षेत्रवाद का तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जिसमें लोग एक बिन्दु के चारों ओर बैठते हैं तथा अपने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रयास करते हैं। उन्हें राष्ट्र तथा दूसरे क्षेत्र की कोई चिन्ता नहीं होती है। वे केवल अपने क्षेत्र की विकास करते हैं तथा दूसरे क्षेत्र के विकास की निंदा करते हैं। उन्हें केवल अपने ही क्षेत्र में होने वाली परिवर्तनों की ओर ध्यान है।



2020





24





340













30